हिन्दी प्रादेशिक समाचार

आकाशवाणी चंडीगढ़

(तिथि 24 फ़रवरी 2026, समय 1305 (5 मिनट)

****

सरकार ने सभी तरह के आतंकवाद की रोकथाम और आतंकी गतिविधियों को धन मुहैया करने के खिलाफ नई राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी नीति और रणनीति- प्रहार का अनावरण किया। यह रणनीति आतंकवाद के बढ़ते खतरों से निपटने के लिए एक व्यापक व्यवस्था प्रस्तुत करती है। इसमें आतंकवाद को रोकने और उसका मुकाबला करने के लिए सक्रिय दृष्टिकोण अपनाया गया है। मंत्रालय ने बताया है कि हालांकि खतरों का स्वरूप लगातार बदल रहा है और नई चुनौतियां सामने आ रही हैं, फिर भी देश सभी तरह के आतंकवाद का विरोध करने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

****

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि विधानसभा लोकतंत्र का सर्वोच्च मंच है, जहां सभी चुने हुए प्रतिनिधियों का सम्मान होना चाहिए और सदन की गरिमा हर हाल में बनाए रखी जानी चाहिए।

मुख्यमंत्री कल विधानसभा की कार्रवाई के उपरांत पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

विधानसभा में आचरण से संबंधित पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने विधायकों से आग्रह किया कि सदन में शालीनता रखें। उन्होंने कहा कि कटाक्ष या टिप्पणी ऐसी हो जिससे किसी की भावनाएं आहत न हों। सभी जनप्रतिनिधि जनता द्वारा चुने गए हैं और सभी का सम्मान आवश्यक है।

एक अन्य प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस हमेशा गुमराह करने वाले बयान देती है और उसके पास कोई ठोस मुद्दा नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार नौकरियों सहित हर विषय पर चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार है, लेकिन इसके लिए विपक्ष को भी सदन में बैठकर चर्चा सुननी और करनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में भी मनरेगा का नाम कई बार बदला गया। वर्तमान में वीबी जी रामजी ग्रामीण के अंतर्गत 125 दिन के रोजगार की गारंटी दी गई है। काम के दायरे का विस्तार किया गया है और देशभर के मजदूर सरकार के इस फैसले का स्वागत कर रहे हैं।

****

हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने बताया कि सोनीपत के जिला अस्पताल में डिजिटल एक्स-रे मशीन, एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस और एमआरआई स्कैन सेवाएं शीघ्र ही उपलब्ध कराई जाएंगी। सोनीपत जिले में कैथ लैब स्थापित करने का प्रस्ताव भी विचाराधीन है।

स्वास्थ्य मंत्री हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र के दौरान सदन के एक सदस्य द्वारा पूछे गए सवाल का जवाब दे रही थी।आरती सिंह राव ने बताया कि फ़िलहाल सोनीपत में 200 बिस्तरीय जिला सिविल अस्पताल राष्ट्रीय राजमार्ग राह के पास स्थापित है। यह अस्पताल लगभग 15.5 एकड़ भूमि पर बना है, जिसमें से भवन लगभग 6 एकड़ भूमि पर निर्मित है। इसके अलावा, 138 करोड़ रूपए की लागत से 100 बिस्तरीय मातृ एवं शिशु देखभाल ब्लाक निर्माणाधीन है। इससे सोनीपत के जिला सिविल अस्पताल की बिस्तर क्षमता मौजूदा 200 बिस्तरों से बढ़कर 300 हो जाएगी।

उन्होंने बताया कि मौजूदा अस्पताल भवन की विशेष मरम्मत के लिए 5 करोड़ 33 लाख रूपए स्वीकृत किए गए है। सोनीपत के जिला सिविल अस्पताल में चिकित्सा, छाती रोग, सामान्य शल्य चिकित्सा, अस्थि रोग, स्त्री रोग, नेत्र रोग, ईएनटी, बाल रोग, पैथोलॉजी, त्वचा रोग, एनेस्थीसिया आदि विशेषज्ञ सेवाएं उपलब्ध है। सीटी स्कैन व डायलिसिस सेवाएं पीपीपी मोड पर प्रदान की जा रही है।

उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष अल्ट्रासाउंड मशीन, सी- आर्म मशीन, इलेक्ट्रिक काटरी, एनेस्थीसिया मशीन और आईसीयू बेड जैसे उन्नत चिकित्सा उपकरण स्थापित किए गए है।

****

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय में कल पौधारोपण महा अभियान की शुरुआत की गई। इस महा अभियान के अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर में 11 हज़ार पौधे लगाए जाएंगे। कुलगुरु प्रोफेसर दिनेश कुमार ने अपने हाथों से पौधारोपण कर इस महा अभियान का शुभारंभ किया । उन्होंने विद्यार्थियों को प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प भी दिलाया ।

****

फरीदाबाद में थैलेसीमिया से पीड़ित चार बच्चों की नियमित जांच के दौरान दो बच्चे एचआईवी संक्रमित पाए गए, जबकि दो अन्य बच्चों में हेपेटाइटिस-सी की पुष्टि हुई है। हमारे संवाददाता विकास ने बताया है कि घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग सतर्क हो गया है और अस्पतालों में सावधानी बरतने के निर्देश जारी किए गए हैं।

परिजनों का आरोप है कि बच्चों को नियमित रूप से सरकारी अस्पताल में रक्त चढ़ाया जाता था और संभवतः संक्रमित रक्त चढ़ाने के कारण ही यह संक्रमण हुआ है। स्वास्थ्य विभाग ने जांच कमेटी गठित कर दी है। ब्लड बैंक की प्रक्रिया, रक्त की स्क्रीनिंग और संक्रमण नियंत्रण मानकों की विस्तृत जांच की जा रही है, साथ ही संबंधित ब्लड यूनिट्स के रिकॉर्ड भी खंगाले जा रहे हैं।

सिविल सर्जन डॉ. जयंत आहूजा ने बताया कि एचआईवी के दो मामले सितंबर और दिसंबर 2025 में सामने आए थे। विशेषज्ञ टीम द्वारा दोबारा जांच कराई गई और जिन रक्तदाताओं ने रक्तदान किया था, उनकी भी जांच कराई गई, जो एचआईवी मुक्त पाए गए।

उन्होंने बताया कि फरीदाबाद में दिए गए रक्त में संक्रमण नहीं मिला है और जिन अन्य स्थानों पर बच्चों को रक्त चढ़ाया गया, वहां भी जांच कराई जा रही है। बच्चों का इलाज विशेषज्ञों की निगरानी में जारी है।

****